प्रवासी साहित्य

एक मूल्यांकन

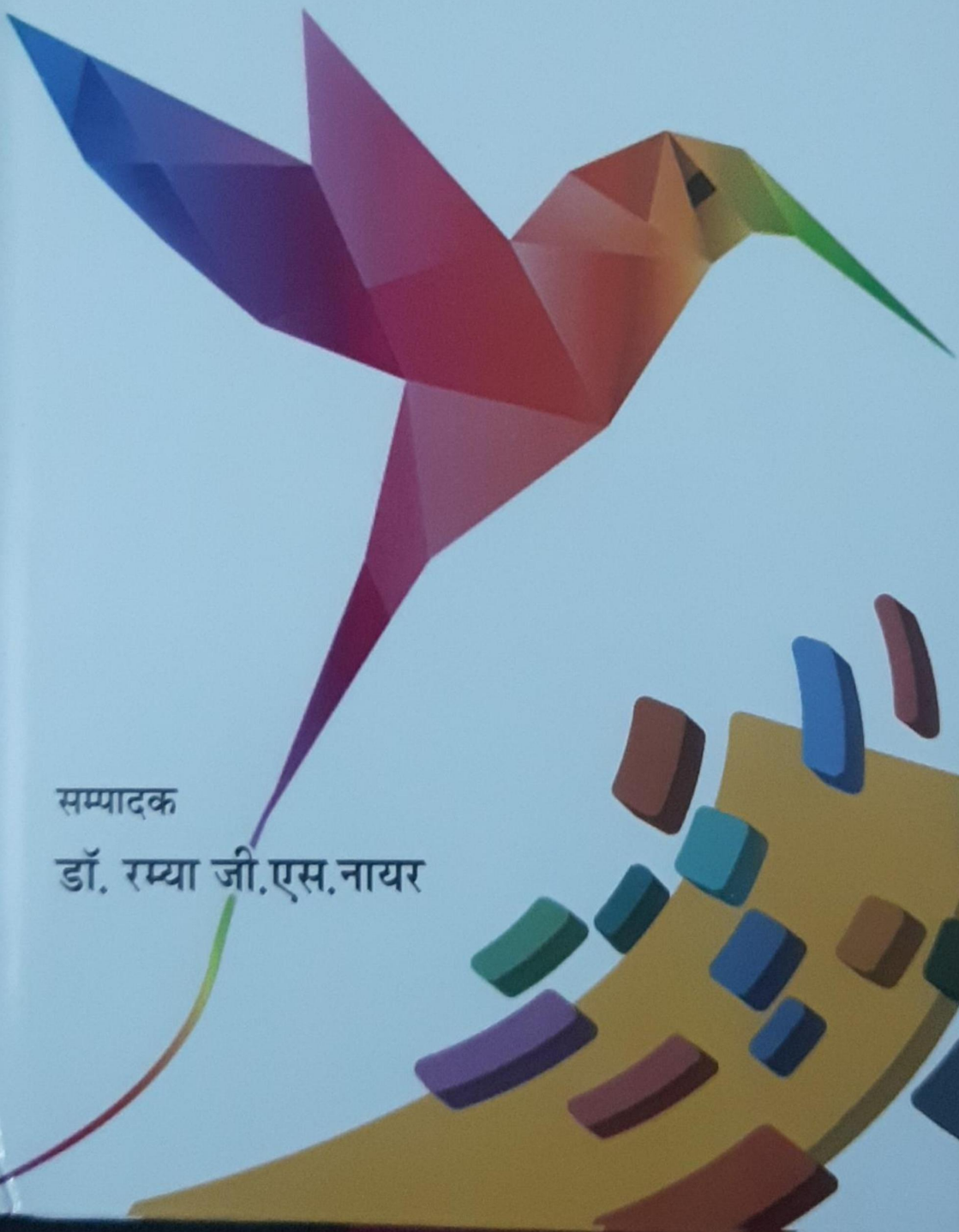

सम्पादक

डॉ. रम्या जी.एस.नायर

अनुक्रमणिका

1. प्रवासी भारतीयों की लघुकथाएँ — 11 - 14
डॉ. नितिन सेठी

2. प्रवासी साहित्य में हिन्दी साहित्यकारों की देन — 15 - 19
डॉ. जोण पणिक्कर. वी.

3. प्रवासी जीवन-मलयालम उपन्यासों में — 20 - 27
डॉ. पी. के. राधामणी

4. प्रवासी — 28 - 31
के. जी. उण्णिकृष्णन

5. भारतीय संस्कृति के बदलते परिदृश्य : हम कहाँ जा रहे हैं - कविता के विशेष संदर्भ में — 32 - 35
डॉ. जयश्री. ओ.

6. निर्मल वर्मा की रचना में प्रवासी जीवन — 36 - 39
डॉ. शाजी एन.

7. मॉरीशस के प्रेमचन्द - अभिमन्यु अनत — 40 - 45
डॉ. श्री चित्रा वी. एस.

8. प्रवासी भारतीयों के अस्मिता संघर्ष : छिन्नमूल — 46 - 51
डॉ. जयश्री एस. टी.

9. प्रवासी साहित्यकार श्रीमती दिव्या माथुर की कविताएँ : जन-मन की अग्रपर्णियाँ — 52 - 55
डॉ. रंजीत रविशैलम्

10. रुकोगी नहीं राधिका में प्रवासी जीवन की अभिव्यक्ति — 56 - 59
डॉ. सिन्जु. ए.

मूल्य : दो सौ पंचानवे रुपये मात्र

पुस्तक	:	प्रवासी साहित्य : एक मूल्यांकन
सम्पादक	:	डॉ. रम्या जी. एस. नायर
प्रकाशक	:	**विकास प्रकाशन** 311 सी, विश्वबैंक बर्रा, कानपुर-208027 मो. नं. 9415154156, 9450057852 E-mail : vikasprakashankanpur@gmail.com
संस्करण	:	प्रथम, 2021
आवरण सज्जा	:	छपाई घर, ब्रह्मनगर, कानपुर-12
शब्दसज्जा	:	विष्णु ग्राफिक्स, कानपुर-21
मुद्रक	:	छपाई घर, ब्रह्मनगर, कानपुर-12
मूल्य	:	295.00 रुपये
ISBN	:	978-81-949519-4-0